राष्ट्रीय पिछडा वर्ग वित्त एवं विकास निगम

लघु ऋण योजना - फतेहगढ़ साहिब, पंजाब

सफलता की कहानी

लाभार्थी का नाम	**श्री जगतार सिंह**
जिला एवं राज्य	**फतेहगढ़ साहिब, पंजाब**
योजना का नाम	**लघु ऋण योजना**
ऋण स्वीकृति का वर्ष	**2020**
ऋण राशि	**रू. 85,500/-**
गतिविधि /व्यवसाय	**कारपेंटरी**
राज्य चैनेलाईजिंग एजेंसी का नाम	**पंजाब बैकवर्ड क्लासेज लैंड डेवलपमेंट एंड फाइनेंस कारपोरेशन**

मै जगतार सिंह पुत्र मोहन सिंह निवासी गांव- भदलथुआ, पोस्ट- अमलोह, तहसील एवं जिला फतेहगढ़ साहिब का रहने वाला हूँ। मैं लुहार जाति से सम्बन्ध रखता हूँ, जो कि पंजाब सरकार द्वारा पिछड़ी जाति घोषित की गयी है। मैं पहले किसी तरखान की दुकान पर काम करता था। इसके एवज में मुझे मालिक की तरफ से रू. 8,000/- मासिक मेहताना दिया जाता था। सारा दिन अथक परिश्रम करने के बाद भी मेरी इस कमाई से मेरे परिवार का पालन पोषण करना बहुत कठिन था।

मेरे गांव के कुछ लोगो ने मुझे बताया कि राज्य निगम पंजाब बैकवर्ड क्लासेज लैंड डेवलपमेंट एंड फाइनेंस कारपोरेशन (बैकर्फिको) राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम (एन.बी.सी.एफ.डी.सी.) की योजनाओं को संचालित कर रही है जिसकी योजनायें पिछड़े वर्गों के लिए हैं। इसके उपरान्त मैंने बैकर्फिको के फील्ड अफसर से सम्पर्क किया। फील्ड अफसर ने मुझे ऋण लेने की विधि के बारे में विस्तार से बताया। मेरे दवारा ऋण लेने के लिए सारे जरुरी कागजात दिए गए।

निगम द्वारा मुझको एन.बी.सी.एफ.डी.सी. की ऋण योजना के अंतर्गत दिनांक 04.02.2020 को रू. 85,500/- ऋण वितरित किया गया। मुझे बड़ी ही आसानी से ऋण राशि प्राप्त हुई। इसके लिए राज्य निगम ने बड़ी ही तत्परता से एवं सहयोगपूर्ण कार्य किया। इस राशि से मैंने अपने जरूरत के सामान जैसे- ड्रिल मशीन, रंदा मशीन, लकड़ी आदि की खरीद करके अपने गांव भदलथुआ में कारपेंटरी के काम की शुरुआत की। क्योंकि मुझे कारपेंटरी कार्य का अनुभव पहले से था; अतः मुझे कार्य करने में कोई कठिनाई नहीं हुई। धीरे-धीरे मेरा कारपेंटरी का काम अच्छा चलने लगा। अब दुकान के खर्चे आदि निकाल कर लगभग रू. 17,000/- (सत्रह हजार रुपए) प्रति माह की बचत हो जाती है। अब मैं अपने परिवार का पालन पोषण सही से कर रहा हूँ। अब मैं स्वयं दुकान का मालिक हूँ, यह मुझे गौरान्वित करता है और काम के प्रति लगन और उत्साह और बढ़ गया है। मेरी और मेरे परिवार की इससे सामाजिक प्रतिष्ठा भी बढ़ी है।

मैं राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम और पंजाब बैकवर्ड क्लासेज लैंड डेवलपमेंट एंड फाइनेंस कारपोरेशन (बैकफिंको) का बहुत आभारी हूँ।